खबर संक्षेप

कलेक्टर ने भेंट किया अष्टगंधयुक्त हर्बल गुलाल

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने रंगपंचमी उत्सव के लिए नमामि नर्मदे महाआरती ट्रस्ट को तीन प्रकार का अष्टगंध युक्त हर्बल गुलाल भेंट किया। इससे पहले कलेक्टर कक्ष में उपस्थित ट्रस्ट के प्रतिनिधियों को उन्होंने होली पर्व की शुभकामनाएं दी। रंग पंचमी उत्सव के लिए उनके द्वारा भेंट किये गए 30 किलोग्राम प्राकृतिक हर्बल गुलाल के लिए ट्रस्ट की ओर से उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया गया है।

गेंहू विक्रय के लिए किसान पंजीकरण अब 10 मार्च तक

मण्डला। राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। कृषकों की सहुलियत के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों के पंजीकरण की तिथि बढ़ाने का निर्णय किया है। गेहूं खरीदी के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 7 मार्च से बढ़ाकर 10 मार्च की कर दी गई है। कृषकों को आवश्यक दस्तावेज लेकर निर्धारित केंद्र पर उपस्थित होकर पंजीकरण कराना है। इसके अलावा मोबाइल ऐप के माध्यम से भी पंजीकरण किया जा सकता है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिले के गेहूं उत्पादक किसानों से अपील की है कि जो भी कृषक अभी तक किसी कारण से अपना पंजीकरण नहीं करा पाए हैं। वह 10 मार्च तक अपना पंजीकरण अवश्य करा लें। जिससे उन्हें अपनी फसल का विक्रय करने में कोई कठिनाई न हो।

गाइडलाइन दर निर्धारण प्रक्रिया प्रांरभ

मण्डला। मंडला जिले में अचल संपत्तियों (भूखंड एवं कृषि भूमि) के बाजार मूल्य के निर्धारण के लिए वर्ष 2026-27 के लिए गाइडलाइन दर तय करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांतों तथा पंजीयन नियम 2018 में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जिले की अचल संपत्तियों के बाजार मूल्य के निर्धारण के लिए प्रस्तावों पर विचार किया गया। समिति द्वारा तैयार किए गए प्रस्तावों को आम नागरिकों के अवलोकन के लिए जिला पंजीयक कार्यालय मंडला में रखा गया है।

कान्हा टाइगर रिजर्व की सुरक्षा में महिलाओं का दमदार योगदान

हर क्षेत्र में अव्वल हैं महिलायें

*** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष सम्मान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जहां एक ओर जंगलों में कार्य करना जोखिम और चुनौतियों से भरा होता है, वहीं बालाघाट जिले के बफर कान्हा टाइगर रिजर्व में महिलाएं अपनी साहस, जिम्मेदारी और कर्तव्यनिष्ठा से वन और वन्य प्राणियों की सुरक्षा की मिसाल पेश कर रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर इन महिला वन कर्मियों का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

बफर कान्हा टाइगर रिजर्व की डिप्टी डायरेक्टर सुश्री अमिता के.बी. (आईएफएस) के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में महिला कर्मचारियों की एक टीम पूरी जिम्मेदारी के साथ जंगल की सुरक्षा में जुटी हुई है। इस टीम में रेंजर सुश्री संध्या देशकर, माना बीट की बीट गार्ड वनरक्षक सुश्री विनीता मरावी, भैसानघाट बेरियर की वनरक्षक श्रीमती सोनम झारिया तथा सुरक्षा श्रमिक श्रीमती प्रेमा यादव और श्रीमती विमला कुशरे शामिल हैं।

ये सभी महिलाएं टाइगर रिजर्व में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण रखने, वन क्षेत्र की निगरानी करने और वन्य प्राणियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण दायित्व निभा रही हैं। जंगलों में गश्त करना, बेरियर पर निगरानी रखना और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना उनके रोजमर्रा के कार्यों का हिस्सा है। कठिन परिस्थितियों और चुनौतियों के बावजूद वे पूरी लगन और साहस के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं।

जंगल में कार्य करना महिलाओं के लिए आसान नहीं होता, लेकिन इन महिला कर्मचारियों ने यह साबित कर दिया है कि इच्छाशक्ति और समर्पण के बल पर कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती। ये महिलाएं अपने शासकीय दायित्वों के साथ-साथ पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारियों का भी सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं।

विशेष बात यह भी है कि बालाघाट जिला मध्यप्रदेश का ऐसा जिला है जहां स्त्री-पुरुष लिंगानुपात सबसे अधिक है। यहां 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या 1022 है। यही सकारात्मक सामाजिक वातावरण यहां के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के रूप में दिखाई देता है। बफर कान्हा टाइगर रिजर्व में महिला कर्मचारियों की बढ़ती संख्या भी इसका एक उदाहरण है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इन महिला वन कर्मियों की कार्यनिष्ठा और साहस यह संदेश देता है कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जंगल की सुरक्षा में जुटी ये महिलाएं वास्तव में महिला सशक्तिकरण की प्रेरक मिसाल हैं।

चैत्रमास में ही होती है माँ नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा

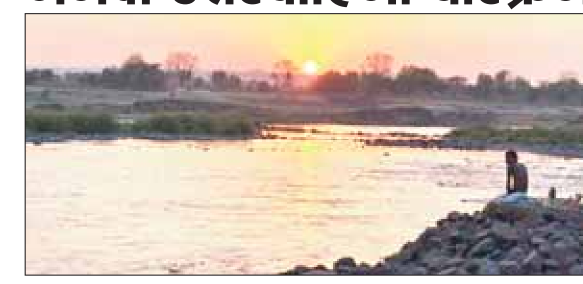

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

चैत्र मास के पावन अवसर पर माँ नर्मदा की उत्तरवाहिनी परिक्रमा का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। परंपरा के अनुसार चैत्र मास में श्रद्धालु माँ नर्मदा की उत्तरवाहिनी परिक्रमा करते हैं। इस परिक्रमा के लिए कोई विशेष तिथि या दिन निर्धारित नहीं है बल्कि पूरे चैत्रमास में किसी भी दिन श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार परिक्रमा कर सकते हैं। गुजरात में माँ नर्मदा की उत्तरवाहिनी परिक्रमा की परंपरा अनेक वर्षों से निरंतर चली आ रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मण्डला जिले में उत्तरवाहिनी परिक्रमा का आयोजन महिष्मती माँ उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा समिति द्वारा किया जाता है यह आयोजन प्रतिवर्ष अनवरत रूप से जारी है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। उत्तरवाहिनी परिक्रमा के लिए महत्वपूर्ण है कि जहां तक माँ नर्मदा उत्तर दिशा की ओर प्रवाहित होती हैं उस पूरे क्षेत्र की परिक्रमा करने से पूर्ण परिक्रमा का पुण्य लाभ प्राप्त होता है।

निःशुल्क कराती है समिति परिक्रमा

माँ महिष्मती नर्मदा उत्तरवाहिनी समिति द्वारा उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा निःशुल्क कराई जाती है जो भी नर्मदा भक्त दूसरे जिले या दूसरे प्रदेशों से आते हैं वे यदि समिति के सदस्यों के सम्पर्क में होते हैं तो उन नर्मदा भक्तों को रहने की सुविधा भी समिति सदस्यों द्वारा उपलब्ध कराई जाती है और व्यास नारायण मंदिर में संकल्प पूजा कराकर उनकी परिक्रमा प्रारंभ होती है पूरे परिक्रमा मार्ग में समिति सदस्य लगातार बाहर से आने वाले परिक्रमावासियों के सम्पर्क में होते हैं और जहां भी उन्हें जिस सुविधा की आवश्यकता होती है उपलब्ध कराते हैं फिर चाहे वह भोजन की सुविधा हो या फिर अन्य संसाधनों की।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, दिवंगत सुनील के निवास पहुंच कर परिवार को दी सांत्वना

भुआबिछिया। होली के अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वर्तमान सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते पत्रकार स्वर्गीय सुनील नामदेव के निवास पहुंचकर उनके परिवार से मिले ओर गुलाल से तिलक लगा कर सांत्वना देते हुए पूरे परिवार को होली की शुभकामनाएं दी ओर कहा कि हर दुख सुख में हम आपके साथ हैं इस अवसर पर सुनील नामदेव के तेल्य चित्र पर पुष्प गुलाल अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया इस अवसर पर परिवार के सभी लोग उपस्थित थे।

निर्माण कार्यों में विलंब बर्दाश्त नहीं-कलेक्टर श्री मिश्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने विभिन्न विभागों के प्रगतिरत निर्माण कार्यों की समीक्षा की और निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में मनरेगा, स्कूल शिक्षा, जनजातीय कार्य, धरती आबा सहित अन्य विभागों के प्रगतिरत निर्माण कार्यों की जानकारी ली गई। कलेक्टर श्री मिश्रा ने शिक्षा विभाग, जिला शिक्षा केंद्र और जनजातीय कार्य विभाग को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के साथ समन्वय करने और एचपीवी टीकाकरण अभियान की गति बढ़ाने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य श्रीमती वंदना गुप्ता, एसीईओ जिला पंचायत श्री विनोद मरावी, सहायक संचालक जनजातीय कार्य रंजीत गुप्ता, क्षेत्रीय संयोजक श्री विष्णु सिंगौर सहित संबंधित मौजूद रहे।

नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह और उमंग से मनाई गई होली, आज मनाई जाएगी रंग पंचमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

नगर सहित आस पास ग्रामों में उत्साह और उमंग से मनाई गई होली, होलिका दहन फिर ग्रहण के दूसरे दिन से बच्चों ने पूरे नगर सहित ग्राम्य क्षेत्रों में ग्रामों में पूरे उमंग उत्साह के साथ होली पर्व पर रंग बिरंगी पिचकारी से रंग गुलाल उड़ाया गली मुहल्लों में बच्चों की टोली ने रंग गुलाल के साथ खूब मस्ती करते नजर आए वही बड़े बुर्जुगों ने अपने आपको होली से दूर रखा सिर्फ बच्चे अपने दोस्तों मित्रों ओर मंडली के साथ रंग गुलाल के साथ मस्ती करते देखे गए, आज भी पूरा बाजार सुना रहा कुछ दुकानें खुलीं रही मगर आस पास ग्रामों में होली की फाग गायन रंग गुलाल के साथ होली खेली जा रही इस कारण पूरा बाजार सुना रहा चाय पान की ओर कुछ किराना दुकानों में लोग देखे गए, पिछले कुछ वर्षों का आकलन किया जय तो होली की पंचमी के दिन खूब होली खेली जाती जिसकी तैयारी की जा रही है गांवों में भी पंचमी के अवसर पर होली खेली जाती है और उसी के साथ होली की बिदाई भी हो जाती गांवो में राजनीतिक संगठनों के कार्यकर्ता होली मिलन कार्यक्रम आयोजित कर होली खेल रहे हैं इसी तरह अनेक ग्रामों में होली खेली गई जहां जन प्रतिनिधि ओर कार्यकर्ता ग्राम पंचायत के मुखिया फाग गायन के साथ होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किए। होली मिलन समारोह लपटी आमा टोला विधायक नारायण सिंह पट्टा की उपस्थिति में आज लपटी में पंचायत में कांग्रेस कमेटी के नव नियुक्त पदाधिकारी के साथ होली मिलन समारोह में शामिल हुए जहां बिछिया से प्रदीप गोस्वामी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रोशन भवेदी अमर मांडवे एवं पंचायत कांग्रेस कमेटी के समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यशाला | **नर्मदा में एसडीईआरएफ नगरपालिका के समन्वय से दिखाया लाइव डेमो।**

आपदा में कैसे बचें और कैसे बचायें

*** नेहरू पार्क नर्मदा तट पर आपदा प्रबंधन कार्यशाला।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

स्थानीय नेहरू पार्क में जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में एसडीईआरएफ और नगरपालिका की टीम द्वारा आपदा प्रबंधन पर कार्यशाला और मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आपदा के समय त्वरित बचाव और सुरक्षा के विभिन्न तरीकों का सजीव प्रदर्शन किया गया।

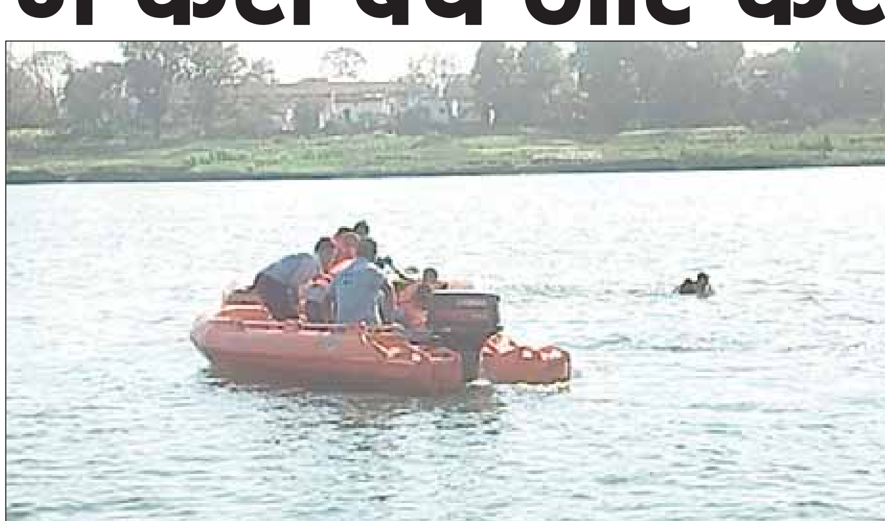

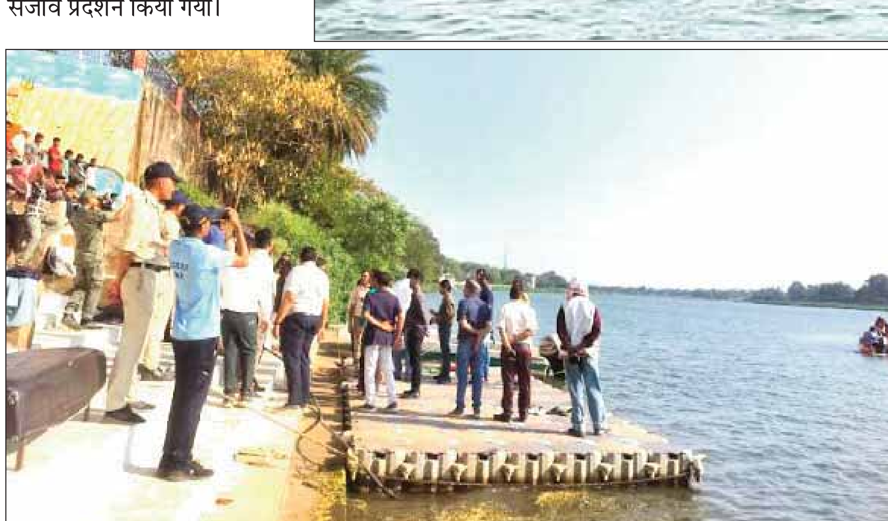

कार्यशाला के दौरान एसडीईआरएफ के जवानों ने नर्मदा नदी में लाइव डेमो दिया। टीम ने बताया कि यदि रेस्क्यू के दौरान नाव अनियंत्रित होकर पलट जाए, तो उस स्थिति को कैसे संभालें ?

डूबते हुए व्यक्ति को बचाने के लिए रिंग के अलावा सामान्य बोतलों, रस्सी और साड़ी जैसी घरेलू वस्तुओं के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी गई। टीम के जवानों ने 'चिन पुलिंग' और 'हेड पुलिंग' जैसी तकनीकों के माध्यम से पानी से सुरक्षित बाहर निकालने के तरीके साझा किए।

अग्नि और रासायनिक दुर्घटनाओं पर केंद्रित मॉकड्रिल

आगामी गर्मियों के मौसम को देखते हुए अग्नि दुर्घटनाओं से निपटने के लिए विशेष अभ्यास किया गया। जिसमें आग पर काबू पाने के लिए पानी, बालू (रेत) और अग्निशमन यंत्रों के सही उपयोग का तरीका बताया गया। इसी प्रकार रासायनिक या औद्योगिक दुर्घटना होने पर किए जाने वाले प्राथमिक बचाव कार्यों की विस्तार से जानकारी दी गई।

जवानों ने बाढ़ के दौरान उपयोग होने वाले पेशेवर उपकरणों जैसे लाईफ बाय, लाईफ जैकेट और फेंडरफ्लोटीन बॉल का प्रदर्शन किया। साथ ही सीमित संसाधनों में खाली प्लास्टिक बोतलों से बनाई गई 'लाइफ सेविंग' सामग्रियों के बारे में भी बताया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा, अतरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, डिप्टी कलेक्टर संस्कार बावरिया, एसएलआर हीरालाल तिवारी, तहसीलदार मण्डला हिमांशु भलावी, नायब तहसीलदार राम सिंह उलाड़ी, एसडीईआरएफ प्रभारी नरेश साहू, प्लाटून कमांडर हेमराज परस्ते सहित जिला स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

लाइनमैन दिवस पर एमपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी में हुआ सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

शनिवार को मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा लाइनमैन दिवस के अवसर पर एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 132 के.वी. सब स्टेशन परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक शिव योगी हीरे पथ उपस्थित रहे। उनके साथ 132 के.वी. सब स्टेशन के पर्यवेक्षक श्री के. एस. मरावी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त अ.उ.दा. संधारण उप संभाग बालाघाट मुख्यालय के समस्त कर्मचारियों ने समारोह में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित कर्मचारियों में कामराज धुर्वे लाइन परिचालक श्रेणी–2 संदीप पटले लाइन परिचारक श्रेणी–2 राजकुमार कातुरे लाइन परिचारक श्रेणी–2 कमलेश ठाकरे लाइन परिचारक संविदा खोमेन्द्र पटले, रमेश मरावी तथा उदयजीत सिंह कुमरे शामिल रहे। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि के आगमन के साथ हुई, जहाँ उपस्थित कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि श्री शिव योगी हीरेपथ द्वारा सभी लाइन परिचारकों का फूल मालाओं से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस दौरान उन्होंने बिजली व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में लाइनमैनों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने वाले लाइनमैन वास्तव में विद्युत व्यवस्था की रीढ़ हैं। कार्यक्रम के अगले चरण में मुख्य अतिथि द्वारा मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, जबलपुर की ओर से उपस्थित कर्मचारियों को सम्मान स्वरूप शील्ड मोमेंटो प्रदान किए गए। इस सम्मान से कर्मचारियों में उत्साह और गर्व का वातावरण देखा गया। समारोह के दौरान सभी कर्मचारियों ने एकजुट होकर विभाग के प्रति अपनी निष्ठा और कर्तव्यपरायणता को और अधिक मजबूती से निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन आपसीशुभकामनाओं और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल लाइनमैनों के सम्मान का प्रतीक बना, बल्कि विद्युत विभाग के कर्मचारियों के बीच सहयोग, सम्मान और प्रेरणा का संदेश भी प्रदान करता है।

खबर संक्षेप

महिला को पत्थर मार कर चोट पहुंचाई

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिनों ग्राम डुगारिया निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह गांव के सरकारी नल पर पानी भरने के लिये गई हुई थी। उसी दौरान गांव का सुनील शर्मा, संजू शर्मा तथा सौरभ शर्मा आये और प्रार्थियां को पुरानी बुराई को लेकर गंदी गंदी गालिया देने लगे। जब प्रार्थिया द्वारा गाली देने से मना किया तो संजू शर्मा द्वारा वहां पर डले हुये पत्थर को उठाकर मारते हुये चोट पहुंचाते हुये जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

अज्ञात व्यक्ति द्वारा बैक खाते से पार की गई दो लाख की राशि

गाडरवारा। जहां लोग अपनी राशि को बैक खाते में जमा करने के बाद चिंता मुक्त हो जाते है। मगर अब देखा जा रहा है कि बैक खातों में भी सेंध लगने से नही चूक रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई सेन्ट्रल बैक के खाते में देखने मिली है जहां पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा प्रार्थिया के सेन्ट्रल बैक खाते से दो लाख रूपया की राशि पार कर डाली। घटना के संबंध में समीपस्थ ग्राम लिलवानी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके गाडरवारा स्थित सेन्ट्रल बैक खाते से दो लाख रूपया की राशि पार कर दी गई। घटना को लेकर पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

बाइक की टक्कर से भाई बहु व नातिन घायल

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम भमका निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैं और मेरा साथ देवेन्द्र जमाडा रोड पर बेयर हाउस के पास काम से रूके थे तभी देखा कि मेरा भाई मिथलेश कौरव बहू आरती कौरव व नातिन माधवी को स्पेलेण्डर मो.सा. पर बैठाकर ग्राम भमका से गाडरवारा की आ रहा था। उसी दौरान जैसे ही जमाडा बारहबडा रोड बेयरहाउस के सामने पहुचा उसी समय एक टी.व्ही.एस. राईडर मो.सा. चालक ने अपनी मोटर साईकिल को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये भाई की मोटर साईकिल में टक्कर मार दी गई जिसके चलते भाई मिथलेश व बहु आरती तथा नातिन माधवी घायल हो गये। घटना को लेकर प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

भतीजे ने चाची को लाठी से पीटा

गाडरवारा। लोग छोटी छोटी बातो को लेकर किस तरह मारपीट करने पर उतारू हो जाते है इस बात की सच्चाई बीते हुये दिनों समीपस्थ ग्राम पुरगंवा में देखने मिली जहां पर घर के सामने लेट्रिन की बात को लेकर भतीजे ने अपनी चाची के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना के संबंध में सिहोरा पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पुरगंवा निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि रात के समय मेरे घर के पास रास्ते में किसी ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा लैट्रिंग कर दिया था तो मैं बोल रही थी कि किसने रास्ते में लैट्रिंग किया है। इसी बात को लेकर मेरे जेठ का लङका रामकृष्ण कौरव शराब पीकर आया मेरा नाम लेकर बोला गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब प्रार्थिया ने अपने भतीजे को गाली देने से मना किया तो उसने लाठी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

छोटे भाई ने बड़े भाई सहित भाभी से की मारपीट

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कौड़िया निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब उसके घर पर मोहल्ले के चाचा भगवदास जाटव आये थे जिन्हे मैने खाना खाने के लिये दिया तभी मेरा देवर रामकुमार जाटव घर के सामने आया और गंदी गंदी गालिया देते हुये बोला की माता पिता को पूछ नही रहे हो और बाहर बालो को घर मे घुसा कर खाना खिला रहे हो। जब प्रार्थिया द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपी देवर द्वारा लाठी से मारपीट करते हुये चोट पहुई। इसी दौरान जब प्रार्थिया का पति रूपलाल आया उसने बीच बचाव करने का प्रयास किया तो आरोपी द्वारा उसके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

अपने अधिकारों से वंचित महिलाओं को नहीं मालूम महिला दिवस के मायने...?

आज भी शासन की अनेक योजनाओं से अनजान महिलाओं द्वारा की जा रही है खेतों से लेकर पहाड़ी क्षेत्रों में जी तोड़ मेहनत

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि जहां लोगों द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर बाते तो की जाती है। मगर क्या महिलाओं को उनके अधिकारी दिलाने के लिये कभी पहल करते हुये देखा गया है..? सही मायने में देखा जावे तो महिलाएं निश्चित ही अपने अधिकार व हक से बंचित होते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर स्थिति इस तरह बनी हुई है कि लगातार महिलाओं के खिलाफ होने वाली अत्याचारों के खिलाफ प्रशासन की भूमिका मात्र कागजों तक सीमित रहने के कारण महिलाओं को अपने घरों से निकलने की बात तो दूरी घरों के अंदर भी असुरक्षा महसूस होते हुये देखी जाने लगी है..? जिसकी सच्चाई हमारे ही जिले में आये सुनाई देना आम बात हो चुकी है। वही दूसरी ओर गौर किया किया जावे तो बीते हुये वर्ष महिलाओं के साथ घटित हुई घटनाओं की सच्चाई को लेकर पुलिस थानों में दर्ज रिकार्ड अपने आप ही इस सच्चाई को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है...? भले ही हमारे संविधान में महिलाओं को बरबरी का दर्जा मिला हुआ है और सभी प्रकार के चुनावों के दौरान महिलाओं को आरक्षण के आधार पर सीटे भी प्रदान की जाती है। मगर क्या उन सीटों पर पहुंचने के बाद भी महिलाओं की जगह उनके पति या फिर परिवार के अन्य सदस्य पूरा जलाबा दिखाते हुये देखे जाते है। वही ग्रामीण स्तरों पर महिलाएं आज भी चार दीवारी के अंदर कैद होने के लिये मजबूर देखी जा रही है..? कहने के लिये तो बीते हुये आज 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस था। मगर इसके बाद भी शायद ही किसी शासकीय संस्था में इस महिला दिवस पर महिलाओं को उनके अधिकारी के प्रति सजक बनाने के लिये कोई कार्यक्रम आयोजित होते हुये दिखाई देने मिल पायेगा...? यह बात अलग है कि महिला दिवस के नाम पर कुछ लोगों द्वारा आयोजन करते हुये जनता की नजरों में वाही वाही लूटने का प्रयास करने से भी नही चूकते है और प्रभावशाली माने जाने वाली महिलाओं के हाथों में फूल गुच्छ सौपते हुये महिला दिवस मनाने की बात कहते हुये समाजसेवा का ढोग करने से नही चूक पायेगे..। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो महिला दिवस के मौके पर सही मायने में सम्मान की हकदार तो वह महिलाएं होती है जिन्हें आज तक महिला दिवस के मायने का पता ही नही है। जो सुबह से अपना व बच्चों का भरण पोषण करने के लिये घरों से निकलते हुये रोटी रोटी की तलाश में भटकते हुई देखी जाती है..? इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकारों द्वारा महिलाओं के हितों के ध्यान में रखते हुये कुछ नही किया जा रहा है सरकार द्वारा महिलाओं के लिये अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुये उनका भला करने की सोच रखी जा रही है। मगर सरकार की योजनाओं की जानकारी महिलाओं तक पहुंचाने में हो रही गफलतबाजी का परिणाम है कि उसका लाभ महिलाओं को सही तरह से मिल नही पा रहा है और आज भी अनेक महिलाओं को शासन की योजनाओं से बंचित देखा जा सकता है...? मगर इसके बाद भी महिलाएं पुरूषों के कंधें से कंधा मिलाते हुये संघर्ष करते हुये अनेक पदों पर पहुंचकर क्षेत्र व नगरों का नाम रोशन करने से नही चूक रही है। जिसका जीता जागता प्रमाण क्षेत्र की पूर्व विधायक व कांग्रेस कमेटी की जिला अध्यक्ष श्रीमति सुनीता पटैल व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति अनीता जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य मौना कौरव, प्रशासनिक स्तर पर गाडरवारा क्षेत्र में पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी कलावती व्यारे, तहसीलदार प्रियंका नेताम के रूप में सामने है। जिन्होंने अपने संघर्ष के बलबूते पर एक मुकाम पर पहुंचकर आज भी जनता की सेवा में पीछे नही है। इस संबंध में जब महिला दिवस को लेकर पूर्व विधायक श्रीमति सुनीता पटैल से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि जहां सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा से लेकर उन्हें अनेक प्रकार की योजनाओं का लाभ देने की बात तो कही जाती है। मगर सरकार की बाते सिर्फ कागजों तक सीमित रहने के कारण न तो महिलाओं को सुरक्षा मिल पा रही है और न ही योजनाओं का लाभ मिल रहा है। अब हाल में ही देखा जावे तो प्रदेश सरकार महिलाओं को सौगात के रूप इमें बहिना योजना शुरू की गई है जबकि महगांई कहा पहुंच रही है सीधी सी बात है कि जेब से 10 हजार निकालकर एक हजार दिये जा रहे है। इसी प्रकार की शैली कांग्रेस नेता श्रीमति अनीता/ रविशेखर जायसवाल में देखने मिली है जब उन्हें 11 वर्ष पहले नगर की जनता द्वारा जिस विश्वास के साथ नगर की जिम्मेदारी सौपी गई थी उस पर उनके द्वारा खरे उतरने के बाद श्रीमति जायवाल के खिलाफ विपक्ष द्वारा बनाये गये चक्रव्यू को भेंदने में उनकी सफलता उनकी समाज सेवा का परिणाम रहा कि वह संघर्ष करने में पीछे नही हटी और एक ही कार्यकाल में दो चुनावों का मुकाबला करते हुये महिला शक्ति की ताकत का उदाहरण पेश किया था। महिला दिवस को लेकर जब श्रीमति अनीता जायसवाल से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि महिलाओं को कभी भी अपनी जिम्मेदारियों से हटना नहीं चाहिए क्योंकि उन पर ही घर, गृहस्थी के संचालन का भार होने के साथ साथ अन्य जिम्मेदारी होती है। महिलाओं को घर की अन्यपूर्णा का दर्जा होता है। इस स्थिति में सही मायने में देखा जावे तो एक महिला में वह शक्ति होती है जिससे चाहे तो वह संपूर्ण परिवार व देश की स्थिति को परिवर्तित कर सकती है। वही नगर की महिला शक्ति व समाज सेवी व ग्राम पंचायत सडूमर की पूर्व सरपंच तथा जिला पंचायत सदस्य सुश्री मोना कौरव का कहना है कि यह बहुत बड़ी बात है कि कानून, सरकार ने महिलाओं को असीमित अधिकार दे दिए है। यही कारण है कि महिलाएँ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। घर की चार दिवारी तक सीमित न रह उपलब्धियों के नये कीर्तिमान गढ़ रही है। मेरा मानना है कि आज अंतर्राष्टीय महिला दिवस पर क्षेत्र की महिलाओं को जिस प्रकार से बेटी को लेकर समाज में फैल रही कुरितीयों को दूर करते हुए बेटी बचाने की ओर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि जब हम अपने बेटे के लिए अच्छी बहू की सोच रखते है तो फिर बेटी नही होगी तो बहू कहा से मिलेगी..? वही समीपस्थ सांईखेड़ा क्षेत्र की भाजपा नेत्री व सांईखेड़ा नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमति स्वाति अग्रवाल का कहना है कि कहावत है कि जहां नारी की पूजा होती है। वहां देवता निवास करते है, देश में 50 प्रतिशत आबादी ममतामयी महिलाओं की है महिलाओं को प्रदेश, केंद्र की सरकारों ने प्रगति के भरपूर अवसर दिए है। क्योंकि महिला शक्ति हर घर की संपूर्ण पाठ शाला होती है। महिलाओं का कर्त्तव्य है कि वे बच्चों को आगे बढ़नें के लिए भी हमेशा प्रोत्साहित करती रहें। क्योंकि घर के हर पुरूषों की उपलब्धि के पीछे महिला का विशेष योगदान होता है। अब यह बात अलग है कि वह योगदान धर्मपत्नी के रूप में हो या फिर माँ या बहिन के रूप में मगर हर सफलता के पीछे महिला शक्ति शामिल होती है।

गोटिटोरिया का नवनिर्मित उप स्वास्थ केंद्र डॉक्टर के इंतजार में हो रहा खंडहर की ओर अग्रसर

हरिभूमि न्यूज/चीचली। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश की सत्ताधारी सरकार द्वारा गरीबों के हितों को ध्यान में रखते हुये स्वास्थ्य सेवाओं के रूप में इस तरह की योजनाये चलाते हुये लोगों को लाभ पहुंचाने की बात कही जा रही है जिसका लाभ यदि सही रूप से आम जनता को मिलने लगे तो निश्चित ही उनके दिन बदल जावे। क्योंकि करोड़ो रूपया खर्च करते हुये जहां स्वास्थ्य केन्द्रो की स्थापना की जा रही है तो दूसरे ओर स्वास्थ्य केन्द्रो में पूर्ण रूप से निःशुल्क दबाईयाँ प्रदान करने की बात कहने में पीछे नही है..? मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि मात्र स्वास्थ्य केन्द्रो की स्थापना से आम लोगों को बीमारियों से निजात मिल पाना क्या संभव हो पायेगा..? क्योंकि लाखों करोड़ो की लागत से बनाये गये इन स्वास्थ्य केन्द्रो में यदि डाक्टर ही नही होगे तो फिर मरीजों को उपचार कौन करेगा..? इस बात की सच्चाई जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले ग्राम गोटीटोरिया में लाखों रूपया की लागत से बनाये हुये स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में देखने मिल रही है। बताया जाता है कि काफी समय पहले यहां पर स्वास्थ्य केन्द्र बनकर तैयार होने के साथ उसे नई नवेली दुल्हन की तरह सजा तो दिया गया है। मगर अभी तक यहां पर किसी डाक्टर की नियुक्ति नही होने के कारण यह लाखों की लागत से बना हुआ भवन खंडहर होने की ओर अग्रसर होते हुये दिखाई देने से नही चूक रहा है तो दूसरी ओर ग्रामीणजन भी शासन की स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने के लिये भटकते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है। बताया जाता है कि गोटिटोरिया जो कि आदिवासी गांव है स्वास्थ की दृष्टि से बहुत ही पिछड़ा क्षेत्र है। यहां पर लगभग दो वर्ष पूर्व 49 लाख की लागत से स्वास्थ विभाग के द्वारा बनाया गया नव निर्मित उप स्वास्थ केंद्र में दो का समय बीतने के बाद भी आज तक किसी डाक्टर की नियुक्ति ना हो पाना निश्चित तौर से सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं की सच्चाई पर सबाल खड़े करने से नही चूक पा रहा है..? गोटीटोरिया से लगे हुये लगभग 15 से ज्यादा गांव के लोगों को इस केन्द्र से लाभ मिल सकता है। मगर यहां पर किसी भी डाक्टर की नियुक्ति नही होने के चलते जंगल क्षेत्र के ग्रामीणों को लगभग 20 किलो मीटर दूर अपना इलाज कराने के लिये गाडरवारा जाना पड़ता है या फिर मजबूरी के चलते छोलाछाप डाक्टर की शरण में जाना पड़ते हुये देखा रहा है। इस सच्चाई को लेकर ग्रामीणों की मांग है जल्द से जल्द अस्पताल में डॉक्टर की नियुक्ति की जावे जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को लाभ मिल सके। मुख्य रूप से देखा जावे तो यह जंगल क्षेत्र होने कारण आदिवासियों को उप स्वास्थ केंद्र से बेहतर सुविधा मिल सकती है। लेकिन दो वर्ष से निर्मित उप स्वास्थ केंद्र में डॉक्टर की नियुक्ति न होने से खण्डर में तब्दील होने की ओर अग्रसर होते हुये दिखाई देने लगा है।

क्या सालीचौका रेल्वे स्टेशन पर पशुओं की मैराथन दौड़ की तैयारी तो नहीं की जा रही?

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। कहने के लिए तो इस समय सालीचौका क्षेत्र में लगातार विकास की गति में बताया जा रहा है। मगर यहां पर फैली हुई अव्यवस्थाओं के चलते जिस प्रकार से क्षेत्र के लोगों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इस ओर किसी भी जनप्रतिनिधियों द्वारा ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि लोग लगातार परेशान होते हुये देखे जा रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई रेल्वे स्टेशन की भी देखी जा रही है, सालीचौका रेल्वे स्टेशन से क्षेत्र में लगभग 40 से 50 गांवों के लोग प्रतिदिन गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर सहित होशंगाबाद, पिपिरया, इटारसी सहित अन्य जगहों के लिए यात्रा करते है। मगर यहां के रेल्वे स्टेशन पर फैली हुई अव्यवस्थाओं में सुधार की ओर किसी के द्वारा भी ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि रेल यात्री अपने आपको पूर्णरूप से असुरक्षित महसूस करने से नही चूकते है? क्षेत्र के लोगों को रेल सुविधाएं मिलने के नाम पर देखा जावे तो यहां पर पैसेन्जर गाड़ियों के आलवा मात्र जनता एक्सप्रेस तथा कुछ माह पहले सोमनाथ एक्सप्रेस का ही स्टाप शुरू हुआ है। जबकि क्षेत्र के गरीबों के लिए प्रमुख माने जाने वाली शटल गाड़ी को बीते हुए कुछ वर्ष पहले जिस प्रकार से बंद कर दिया गया है उसे पुनः शुरू कराने के लिए आज तक क्षेत्र के किसी भी नेता द्वारा कोई प्रयास नही किया गया है जिसके चलते शटल बंद होने के कारण क्षेत्र के गरीबों को परेशान होते हुए देखा जा रहा है। यह बात अलग है कि उसके स्थान पर चंद डिब्बों वाली मेमो शुरू की गई वह लोगों को सुविधा प्रदान करने की जगह परेशानी करते हुये देखी जा रही है? वही दूसरी ओर रेल्वे स्टेशन की व्यवस्थाओं की सच्चाई इस प्रकार से बनी हुई है कि जहां बारिश के मौसम में रेल यात्रियों को खड़े होने के लिए भी पर्याप्त जगह उपलब्ध नही हो पाती है, जिसके चलते बारिश के पानी में भीगते हुए ट्रेनों का इंतजार करते हुए देखा जाता है। वही गर्मी के दिनों में रेलयात्री छाव तलाशते हुये देखे जाते है, जिसकी सच्चाई आने वाले कुछ दिनों बाद आसानी से दिखाई देने से नही चूकेगी? वही सुरक्षा की दृष्टि पर नजर डाली जावे तो रात दिन यहां पर आवारा तत्वों की जमावड़ा लगा रहने के कारण महिला यात्रियों को अनेक प्रकार की परेशानियों से जूझते हुए देखा जाता है? स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि रेल्वे स्टेशन पर घूमने वाले आवारा पशुओं पूर्णरूप से यहां पर कब्जा जमा लेते है जिसके कारण रेल यात्री अपने जान को खतरा महसूस करने से नही चूक रहे है, कुछ इसी प्रकार की सच्चाई उस समय देखने मिली जब रेल्वे प्लेट फार्म के समीप पशुओं की जमावड़ा लगा हुआ था उसे देखकर लोग यह बात कहने से नही चूके की गई ऐसा तो नही कि रेल विभाग द्वारा पशुओं के बीच कोई मैराथन दौड़ की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही हो जिसके कारण इतने पशुर यहां पर एकत्र है? इस प्रकार से देखा जा रहा है कि रेल्वे स्टेशन पर दिन दिन भी पशुओं द्वारा जिस प्रकार से भ्रमण करते हुए देखा जाता है उसके चलते सालीचौका रेल्वे स्टेशन कम व पशुओं के तबेला के रूप में अधिक जान पड़ने से नही चूक रही है? अनेकोबार तो स्थिति इस प्रकार से होती है कि जब रेलयात्री ट्रेन पर चढ़ने का प्रयास करते है और यह पशु बीचों बीच आ जाते है जिसके चलते यात्रियों को अपनी जान बचाने के लिए दूर भागना पड़ता है।

क्षेत्र की पंचायतों में हुये निर्माण कार्यो की जांच से उजागर हो सकती है गुणवत्ता की सच्चाई?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जिस प्रकार से लोग अपनी ग्राम पंचातयों में किसी जनप्रतिनिधि का चुनाव करती है तो उसे उससे काफी उम्मीदे रहते हुए ग्राम के विकास की बाट जोही जाती है, मगर अक्सर देखा जाता है कि कुर्सी मिलने के बाद वह ग्राम विकास को भूलकर सिर्फ अपनी विकास की ओर ध्यान देने से नही चूकता है? इस बात की सच्चाई ग्राम पंचायतों के पूर्व सरपंचों के कार्यकाल खत्म होने के बाद जब नई पंचातयों का गठन हुआ तो ऐसा जान पड़ा की शायद अब ग्रामों की तस्वीर बदल जावेगी? मगर ऐसा कुछ हुआ जान नही पड़ रहा है और पांच वर्ष बीत चुके है यदि पूर्व के समय के सरपंचो के कार्यकाल पर गौर किया जावे तो उनके द्वारा किये गये भ्रष्टाचार को लेकर अनेक ग्राम पंचायतों की कार्य प्रणाली के खिलाफ आज भी अंगुली उठ रही रही हैं? सरपंचों के खिलाफ शिकायतों का आनवरत सिलसिला जारी है, जिम्मेदार अधिकारियों के पास ऐसी अनेक शिकायतें निराकरण की बाट जोह रही है जिनकी यानि निष्ठा के साथ जांच हो जावे तो पंचायतों में हुए घोटालों की सच्चाई सामने आ सकती है? वैसे सच यह भी है कि यदि प्रशासन इन शिकायतों के प्रति गंभीर रूप अख्तियार करता तो अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंचो द्वारा पूर्व में डकारी गई शासकीय राशि अपने घर से चुकानी पड सकती है? दरअसल ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य सबसे अधिक शिकायतों के केन्द्र बिन्दु बने हुए हैं? निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने की शिकायत आम तौर पर है क्योंकि सरपंचों के पास पांच लाख रूपये तक के निर्माण कार्य किये जाने का अधिकार था और बाद में सरकार द्वारा उसमें बढ़ोत्तरी करते हुये डबल करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी, जिसका उन्होंने खुलेआम दुरूपयोग करते हुए अनेक पंचायतो में गुणवत्ताहीन किये गये निर्माण कार्य आज खुली गवाही दे रहे है, भले ही इन निर्माण कार्यों का मूल्यांकन तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा अपनी जुगाडू व्यवस्था के साथ करा दिया गया हो..? परंतु कतिपय यंत्री और उपयंत्रियों की मिली भगत भी इनमें रही है यही कारण है कि मूल्यांकन के निकार्ड से तो बेहतर निर्माण कार्य का हुआ है परंतु निर्मित कार्य घटिया ही साबित हो रहे है? जिनकी सच्चाई वह निर्माण कार्य स्वयं ही बता रहे है? इतनी ही नहीं कुछेक ग्राम पंचायतों में तो यह आरोप भी लगाया जाता है कि निर्माण हुआ ही नहीं और पैसा खर्च हो गया, वैसे ऐसे आरोपों की तत्काल और गंभीरता से जांच होनी चाहिये, जिससे पूर्व के सरपंचों की खाई हुई मलाई ऊपर आ जावे तथा वर्तमान जनप्रतिनिधि उनके नक्शे कदम पर न चले, अपेक्षा है कि क्षेत्र के जनपद पंचायत चीचली क्षेत्र में पूर्व सरपंचों के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यो की जांच की जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाली सच्चाई आने से नही रूक सकती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी पेंशन को मोहताज हैं अनेक अशिक्षित विधवाएं

__हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।__ शासन ने वृद्धो, विकलांगो, असहाय विधवाओं को मासिक पेंशन देने की योजना जरूर शुरू की है, लेकिन हकीकत है कि मासिक पेंशन राशि पाने के लिए क्षेत्र की अनेक अशिक्षित विधवाओं व वृद्धो को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ता है। बताया जाता है कि गांवो में पंचायत सचिवों के गोरख धंधें के कारण भर बुढ़ापे में वृद्ध, अपना सुहाग गवॉ चुकी महिलाएँ वंचित रहती है, उन्हे न तो समय पर पेंशन राशि मिलने की जानकारी दी जाती है और न ही कम पढ़े होने से बैंको से वे आसानी से पेंशन राशि ले पाते है। क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायत के सचिवो पर आरोप यह भी है कि वे वृद्धो विधवाओं को पेंशन के भुगतान में गड़बड़ झाला भी कर देते है और कथित तौर पर वृद्धजनों की एकाध माह की पेंशन राशि भी गोल कर देते है? यही नही ग्राम पंचायतों में वृद्धों की पेंशन स्वीकृत कराने में भी विलम्ब का खेल चलता है, जिसके चलते चलने फिरनें से असमर्थ वृद्धों, निराश्रित विधवाओं कों जनसुनवाई में अधिकारियों की शरण में जाना पड़ता है, विधवा पेंशन लेने वाली महिलाओं की माने तो पहले निर्धारित समय पर उनकी पेंशन का पैसा मनी आर्डर से आता था, जिससे बहुत सुविधा रहती थी, अब पेंशन लेने बैंको में जाना पड़ता है जहां अशिक्षित होने की वजह से उन्हे मुसीबत होती है और बैंको के कर्मचारी भी उनकी उपेक्षा करते है। गौरतलब है कि यही हाल शहर के पेशन प्राप्त करने वाले कम शिक्षित वृद्धो के भी है, जिन्हे किसी पढ़े लिखे नौजवान का सहारा लिए मासिक पेंशन की राशि नही मिल पाती।

कभी ज्वार मक्का की रोटी हुआ करती थी क्षेत्रवासियों का भोजन?

हरिभूमि न्यूज/ बारहाबड़ा। किसानों को अच्छे दाम नहीं मिलने के कारण एक तरफ ज्वार मक्का का रकबा घट रहा है,वहीं इनमें पौष्टिक गुण होने के कारण इसकी रोटी के स्वाद के कद्रदानों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है,एक जमाना था जब ज्वार मक्का की रोटी को गरीब वर्ग का ही भोजन कहा जाता था,लेकिन आज स्थिति बिल्कुल विपरीत हो गई है,जिस तरह से बाजारों से ज्वार,मक्का लुप्त हो रहा है इसका मुख्य कारण है कि किसानों ने इनकी पैदावार लेने में कमी कर दी है क्योंकि बाजारों में उन्हें इनका कम दाम मिलता था, हरिभूमि को क्षेत्र के एक बुजुर्ग कृषको ने चर्चा के दौरान बताया कि कुछ वर्षो पूर्व ज्वांर की पैदावार के कारण किसानों का रूझान ज्वांर की खेती की तरफ ज्यादा था इसलिए गेंहूँ की जगह ज्वार की रोटियां ही खाई जाती थीं,उस समय गेंहूँ की रोटियां सिर्फ संपन्न घरों में ही बनती थीं लेकिन समय के साथ ही गेंहूँ का उत्पादन बढ़ा और मक्का एवं ज्वांर के रेट कम मिलने से इनका उत्पादन कम हो गया, इसलिए हालात बदले और जिस ज्वांर मक्का को गरीबों का भोजन कहा जाता था वह अब अमीरों का शौक हो गया है जो आज बाजार में ज्वार का भाव 50 रूपया प्रति किलो से भी अधिक चल रहे है। मगर पहले देखा जाता था कि ज्वार जहां गांव गांवों में पैदा होती थी मगर अब स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि लोगों को ज्वार खोजे से भी नही मिल रही है? पहले दाम कम मिलने से ज्वांर एवं मक्का का उत्पादन कम हो गया था लेकिन अब स्थिति उलट है और उत्पादन कम होने से दाम अधिक मिलने लगे हैं, मगर अब ज्वार खोजे से नही मिल रही है जिसके चलते ज्वार का स्वाद लोगों द्वारा सिर्फ कल्पना के माध्यम से ही ग्रहण किया जा रहा है?

पिकअप की टक्कर से घायल

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस नगर के गांधी वार्ड निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि वह अपने दोस्त शैलेन्द्र पचौरी के साथ अपनी मोटर साईकिल क्रमांक MP49ZF8218 से कामती जा रहे थें। इसी दौरान जब वह आयसर ट्रेक्टर शोरूम के पास पहुंचे तो पीछे से एक पिकअप गाडी क्रमांक MP04GB5473 के चालक द्वारा अपनी पिकअप को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये प्रार्थी की बाइक में टक्कर मारे जाने के चलते चोटे आने पर पुलिस ने आरोपी पिकअप चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

न्यायालय श्रीमान नायब तहसीलदार
वृत देवरी तहसील सांईखेड़ा
रा. मा.क्र.0369/अ-6/वर्ष 2025-26
मौजा सांईखेडा प.ह.नं. 36 नं.ब.

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामेश्वर गुरू रामदास त्यागी महाराज निवासी महगुंवा तहसील करेली जिला नरसिंहपुर के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र पेश किया है कि मौजा सांईखेड़ा प.ह.नं. 36 रा. नि. मं. देवरी स्थित भूमि ख.नं. 303, 304, 266/1, 369, 370 रकबा 5.261, 0.490, 0.607, 1.416, 0.547 हे. कुल रकबा 8.321 है. की अपंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 09/09/1983 के माध्यम से आवेदक के पक्ष में कर दी है। अत: आवेदक के द्वारा वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने के संबंध में इस न्यायालय में कार्यवाही की जा रही है। जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह पेशी दिनांक 09/03/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति पेश कर सकता है। नियत पेशी दिनांक के बाद आपत्ति प्राप्त होने पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 05/02/2026 को मेरी पद मुद्रा व सील हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक- 20/02/2026
पेशी दिनांक- 09/03/2026

(सील)
नायब तहसीलदार
वृत - देवरी
तहसील - सांईखेड़ा जिला नरसिंहपुर (म. प्र.)

खबर संक्षेप

नालियों का खुला चैंबर दुर्घटना को दे रहा आमंत्रण

कोतमा। नगर पालिका क्षेत्र में नालियों का खुला चैंबर दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। नगर में कई नालियां ऐसी है जो आज भी खुली हुई है लेकिन अगर पालिका की लापरवाही के कारण चेंबर नहीं ढका जा रहा है। खुले चैंबर से जहां दुर्गंध भी आती है और लोगों को हर समय दुर्घटना होने का अंदेशा बना रहता है। शनिवार को नगर के वार्ड क्रमांक आठ अंडर ब्रिज के बगल से बने नाला जिसका खुला चेंबर दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है उसमें लगभग सात से आठ भैंस धुस कर फंस गई जिसका वीडियो जमकर सोशल मीडिया मे वायरल हो रहा था जिसकी जानकारी नगर पालिका को दी गई तब नगर पालिका के कर्मचारी रवि कुमार सोनी, रवि कुमार तिवारी और स्थानीय लोगों ने सहयोग किया और सहयोग के बाद लगभग 20 मिनट के अंदर उन भैंसों को बाहर निकालने में सफल हुए। नागरिकों मे नगर मे खुली नालियों के चेंबर ढकाई कराये जाने की मांग की है।

हाईस्कूल हिन्दी विषय की परीक्षा संपन्न

उमरिया। हाईस्कूल हिन्दी विषय की परीक्षा 45 परीक्षा केंद्रो में संपन्न हुई। जिले में हाईस्कूल हिन्दी विषय की परीक्षा में कुल दर्ज 7638 परीक्षार्थियों मे से 7500 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी वहीं 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी आर.एस.मरावी द्वारा परीक्षा केन्द्र शा.उ.मा.वि. उत्कृष्ट उमरिया, शा.उ.मा. वि. कन्या उमरिया, शा.उ.मा.वि. कालरी उमरिया एवं शा.उ.मा.वि. सरसवाही का निरीक्षण किया गया, परीक्षा शांति पूर्वक एवं सुचारू रूप से संचालित होना पायी गयी।

प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितताओं का आरोप, नेता प्रतिपक्ष ने किया निरीक्षण

डिंडौरी। नगर परिषद क्षेत्र में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर एक बार फिर विवाद सामने आया है। नगर परिषद के नेता प्रतिपक्ष ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण करते हुए योजना में लापरवाही और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं।निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि लगभग 29 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे आवासों का निर्माण कार्य वर्ष 2017 में शुरू हुआ था और योजना के अनुसार पात्र हितग्राहियों को वर्ष 2022 तक आवास मिल जाना चाहिए था। लेकिन नगर परिषद और ठेकेदार की लापरवाही के कारण कई मकान अब भी अधूरे पड़े हैं।नेता प्रतिपक्ष का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है। कई जगह जर्जर और कमजोर मकान बनाए जा रहे हैं जिससे गरीब परिवारों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जिन हितग्राहियों को ये मकान मिलने हैं वे अपनी निर्धारित राशि जमा करने के बाद भी पिछले तीन से चार वर्षों से अपने घर का इंतजार कर रहे हैं।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि योजना से जुड़ी करीब 3०5 करोड़ रुपये की राशि में वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं। इस संबंध में कई बार शिकायतें भी की गईंए लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उनका कहना है कि ठेकेदार को नगर परिषद अध्यक्ष का संरक्षण प्राप्त है जिसके चलते कार्य में मनमानी की जा रही है।नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जिले की कलेक्टर के दौरे और जिले की प्रभारी मंत्री प्रतिमा बागरी द्वारा जांच के निर्देश दिए जाने के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है जिससे नगर की जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मामले की शिकायत संयुक्त संचालक जबलपुर संचालनालय भोपाल और प्रधानमंत्री कार्यालय नई दिल्ली तक भेजी जा रही है। यदि इसके बाद भी कार्रवाई नहीं होती है तो वे न्यायालय की शरण लेने को बाध्य होंगे।

सर्वर फेल बना किसानों की मुसीबत, गेहूं फसल पंजीयन के लिए भटक रहे किसान

शहपुरा। गेहूं फसल पंजीयन को लेकर जिले सहित पूरे मध्यप्रदेश में किसान परेशान नजर आ रहे हैं। पंजीयन पोर्टल का सर्वर बार.बार डाउन होने के कारण किसानों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। किसान दो.दो और चार.चार दिन तक कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैंए लेकिन सर्वर फेल होने के कारण उनका पंजीयन नहीं हो पा रहा है। किसानों का आरोप है कि गेहूं सीजन के पंजीयन के लिए निर्धारित पोर्टल ठीक से काम नहीं कर रहा हैए जिससे किसानों का समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहा है। कई किसान दूर.दराज गांवों से पंजीयन कराने पहुंचते हैंए लेकिन सर्वर डाउन होने के कारण उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि पोर्टल की तकनीकी समस्या को जल्द से जल्द दूर किया जाए ताकि समय रहते सभी किसानों का फसल पंजीयन हो सके। किसानों का कहना है कि इसी तरह की समस्या पिछले धान सीजन में भी सामने आई थीए जिसके कारण कई किसानों का पंजीयन नहीं हो पाया था और उन्हें नुकसान उठाना पड़ा था।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सर्वर और पोर्टल की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो किसान उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। फिलहाल डिंडोरी जिले सहित पूरे प्रदेश में सर्वर की समस्या किसानों के लिए बड़ी मुसीबत बनी हुई है और किसान प्रशासन से जल्द समाधान की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

डिंडौरी की बेटी ने किया कमाल ग्रंथपाल बनकर नाम किया रोशन

डिंडौरी। आदिवासी जिले डिंडौरी की खनूजा कॉलोनी की बेटी चमन धुर्वे ने वर्ष 2022 की परीक्षा में ग्रंथपाल पद पर चयन पाकर जिले का नाम रोशन किया। यह सफलता जिलेवासियों के लिए गर्व और खुशी का पल लेकर आई है। मिली जानकारी के मुताबिक चमन ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर और उत्कृष्ट विद्यालयए डिंडौरी से पूरी की। इसके बाद उन्होंने त्वटट जबलपुर से बीण्लिव और एमण्लिव की पढ़ाई की। कठिन मेहनत और लगन के बल पर चमन ने डच्द्वैब की तैयारी में जुटकर यह अहम मुकाम हासिल किया।चमन के पिता डीण्सीण धुर्वे बजाग जनपद में अकाउंट ऑफिसर हैंए और मां गृहिणी हैं। उनके परिवार में एक बड़ी बहन जो पीएचडी कर चुकी हैं और छोटा भाई जो एमबीए कर रहा है।जैसे ही जिलेवासियों को इस सफलता की खबर मिलीए सोशल मीडिया पर बधाईयों का दौर शुरू हो गया। हर कोई चमन की मेहनत और उपलब्धि की सराहना कर रहा है।चमन धुर्वे न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे डिंडौरी जिले की हर उस लड़की के लिए प्रेरणा हैंए जो अपने सपनों को साकार करने के लिए कठिन परिश्रम कर रही है।

महिला दिवस पर प्रेरणा छोटे शहर से बड़े मुकाम तक पहुंचीं सेजल जैन, मुंबई में बढ़ाया जिले का मान

डिंडोरी। जिले के डिंडोरी नगर की बेटी सेजल जैन आज मुंबई में अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर जिले का नाम रोशन कर रही हैं। पिछले दो वर्षों से वह मुंबई की प्रसिद्ध हैटसन एडवरटाइजिंग एजेंसी में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में कार्यरत हैं और टेलीविजन विज्ञापनों की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं।सेजल जैन जिले के प्रतिष्ठित कपड़ा व्यापारी संजीव जैन एवं ज्योति जैन की पुत्री हैं। वहीं वे अधिवक्ता सम्यक जैन और सार्थक जैन की बहन हैं।

विज्ञापन जगत में सेजल की भूमिका बेहद अहम है। वह टेलीविजन कमर्शियल्स के निर्माण में सेलेब्रिटीज़ को गाइड करने शूट के दौरान डायरेक्शन टीम को सपोर्ट देने और पूरे शूट को समन्वित करने की जिम्मेदारी निभाती हैं।सेजल ने अब तक कई नामचीन हस्तियों के साथ हाई.प्रोफाइल विज्ञापन अभियानों में काम किया है। इनमें शिल्पा शेट्टीए माधुरी दीक्षित रणबीर कपूर मलाइका अरोड़ा आदित्य रॉय कपूर मिलिंद सोमनए सैफ अली खान श्रेयस तलपड़े तथा प्रसिद्ध फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी जैसे बड़े नाम शामिल हैं। उनकी विशेषता सेलेब्रिटी शूट कोऑर्डिनेशन ऑन.सेट डायरेक्शन सपोर्ट और टेलीविजन कमर्शियल प्रोडक्शन में है।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सेजल जैन की यह उपलब्धि जिले की बेटियों के लिए प्रेरणा का संदेश देती है कि मेहनत और लगन से छोटे शहरों की बेटियां भी बड़े मुकाम हासिल कर सकती हैं।

जब सैया भये कोतवाल तो डर कहे का...!

60 लाख की चोरी और 1 लाख की सेटिंग

वायरल ऑडियो से भालूमाड़ा पुलिस पर उठे सवाल, जांच में साठगांठ के आरोप

कोतमा क्षेत्र में 60 लाख से अधिक की बड़ी चोरी के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। भालूमाड़ा थाना क्षेत्र के बदरा स्थित पेट्रोल पंप संचालक संग्राम सिंह के घर हुई चोरी के बाद अब 8 मिनट का वायरल ऑडियो सामने आया है, जिसमें जांच अधिकारी और पीड़ति के बीच बातचीत में पुलिस टीम पर गंभीर आरोप लगते दिखाई दे रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के कोतमा क्षेत्र में हुई करोड़ों की आहट वाली बड़ी चोरी अब पुलिस के लिए सिरदर्द बनती जा रही है। बदरा स्थित पेट्रोल पंप संचालक संग्राम सिंह के सूने घर में 19 जनवरी की रात चोरों ने बेखौफ होकर लगभग 60 लाख रुपए से अधिक के सोने-चांदी के जेवर, नगदी और पूजा सामग्री पर हाथ साफ कर दिया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने सीतापुर क्षेत्र से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था, लेकिन अब वायरल हुए 8 मिनट के ऑडियो ने पूरे मामले में नई सनसनी फैला दी है। ऑडियो में कथित तौर पर जांच से जुड़े पुलिसकर्मी और पीड़ति के बीच बातचीत में आरोप लगाया गया है कि एक वाहन मालिक कुर्बान को बचाने की कोशिश की जा रही थी और इसके बदले एक लाख रुपये की मांग की गई रही है। पीड़ति का कहना है कि इतनी बड़ी चोरी के बावजूद अब तक मात्र करीब 9 लाख रुपये के गहनों की बरामदगी ही हो पाई है। वहीं कई स्थानीय संदिग्धों को बिना कार्रवाई के छोड़ दिया गया, जिससे पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

लग्जरी कार से आए चोर, 60 लाख से ज्यादा की चोरी

19 जनवरी की रात चोर लग्जरी कार से बदरा पहुंचे और

संग्राम सिंह के सूने घर को निशाना बनाते हुए बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने घर में रखे सोने-चांदी के गहने, नगदी और पूजा सामग्री सहित करीब 60 लाख रुपये से ज्यादा का सामान पार कर दिया। वारदात इतनी सुनियोजित थी कि चोर आराम से घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और पुलिस ने विशेष टीम बनाकर जांच शुरू की थी।

वायरल ऑडियो ने मचाया हड़कंप

चोरी की जांच के दौरान सामने आया 8 मिनट का ऑडियो अब पूरे मामले में नई हलचल पैदा कर रहा है। वायरल ऑडियो में कथित तौर पर पुलिस अधिकारी और पीड़ति के बीच बातचीत सुनाई दे रही है, जिसमें वाहन मालिक को बचाने और एक लाख रुपये के लेनदेन की बात सामने आ रही है। इस ऑडियो के सामने आने के बाद पुलिस की जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

आरोपियों की गिरफ्तारी और बरामदगी पर सवाल

पुलिस ने जांच के दौरान छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर और सीतापुर क्षेत्र से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। लेकिन पीड़ति का आरोप है कि इतनी बड़ी चोरी के बावजूद अब तक केवल करीब 9 लाख रुपये के गहने ही बरामद किए गए हैं। इसके अलावा अन्य आरोपियों की लोकेशन मिलने के बावजूद उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया, जिससे जांच की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आरोपियों को मिला जमानत का लाभ

पीड़ति संग्राम सिंह का आरोप है कि पुलिस द्वारा कमजोर विवेचना किए जाने के कारण गिरफ्तार आरोपियों को अदालत से जमानत मिल गई और अब वे खुलेआम घूम रहे हैं। उनका कहना है कि यदि पुलिस ने शुरू से गंभीरता से जांच की होती तो चोरी का पूरा माल बरामद किया जा सकता था और मुख्य सरगना सहित अन्य आरोपियों को भी पकड़ा जा सकता था।

आरक्षक पर पहले भी लग चुके है आरोप

मामले में चर्चित आरक्षक चक्रधर तिवारी का नाम भी सामने आ रहा है। बताया जाता है कि दिसंबर 2024 में भी उन पर जुआ प्रकरण में पैसा छीनने का आरोप लगा था, जिसके बाद उन्हें लाइन अटैच किया गया था। हालांकि कुछ समय बाद उन्हें फिर से भालूमाड़ा थाने में पदस्थ कर दिया गया। इसके बाद भी उन पर एक और आरोप लगा और फिर लाइन अटैच किया गया। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर किसकी मेहरबानी से यह आरक्षक बार-बार उसी थाने में वापस आ जाता है।

इनका कहना है

विवेचना में लापरवाही पर उप निरीक्षक को निलंबित किया गया है। वायरल ऑडियो की भी जांच कराई जा रही है।

मोती उर रहमान
पुलिस अधीक्षक अनूपपुर

शिकार नहीं मिलने के विवाद में हत्या, तीन गिरफ्तार:

अनूपपुर पुलिस ने अंधे कत्ल का किया खुलासा, आरोपियों को भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। देवरी टोला बीहर बाबा मंदिर के उपर जैतहरी के जंगल में अज्ञात शव की पडे होने की सूचना प्राप्त स्टाफ के द्वारा घटना स्थल पहुंचकर व्हाटस अप. एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार कर शव के परिजनो का पता तलाश किया बाद देहाती नालसी लेकर जीरी की मर्ग एवं अपराध की कायमी मौके पर मर्ग क्रमांक 0/26 धारा 194 बी. एन. एस. एस. एव अप. क्र. 0/26 धारा 103(1) बी. एन. एस एवं असल नम्बरी अपराध क्रमांक अप. क्र. 78/2026 धारा 103(1), 3(5) बी. एन. एस 25, 27 आर्म्स एक्ट की अंधी हत्या जैसे अपराध के आरोपीगणो को घटना की सूचना प्राप्त होते ही घटना दिनांक से काफी हिकमत तमली एवं वैज्ञानिक पदद्धि का सहारा लेकर विवेचना की गई विवेचना के दौरान सूचना कर्ता एवं पीडित परिजनो के संदेह के अनुसार काफी मस्क्कत से विवेचना किया गया जो आरोपीगण जंगल में लुक छिप रहे थे जो घटना अति संवेदनशील प्रवृति का होने से आरोपीगणो की पता तलाश हेतु पुलिस अधीक्षक के द्वारा 10000 रू. का ईनाम घोषित किया गया आरोपीगणो को संदेह के आधार पर संभावित स्थानो पर पता तलाश कर हिरासत में लेकर पूछतांछ किया जो जुर्म करने से स्वीकार नही किये पुनः कुछ देर बाद काफी हिकमत अमली से पूछतांछ किया जो जुर्म करने से स्वीकार करते हुये बताये कि घटना दिनांक को देवरी टोला बीहर बाबा मंदिर के उपर जैतहरी के जंगल दिन में जंगली जानवर का शिकार करने जाने व शिकार व शराब पीने की बात को लेकर विवाद करना इसी दौरान आरोपी गण दरयाब पिता राम चरण सिंह उम्र 40 वर्ष निवासी देवरी टोला थाना कोतवाली जिला शहडोल, दउआ उर्फ अजय सिंह पिता नवल सिंह उम्र 28 वर्ष निवासी जैतहरी चौकी सरई थाना करनपठार जिला अनूपपुर, ऊडानी उर्फ भान सिंह पिता झाम सिंह उम्र 30 वर्ष निवासी जैतहरी चौकी सरई थाना करनपठार जिला अनूपपुर के द्वारा अपने पास रखे लोड भरमार बंदूक से मृतक झूरू उर्फ धन सिंह के सीने में गोली मारकर हत्या कर देना स्वीकार किये तथा हत्या करने के बाद शव को जंगल में छोडकर भाग गये जो घटना स्थल से घटना में प्रयुक्त बंदूक भरमार एवं लोहे का राड बारूद भरने वाला मृत के पास रखे जप्त किया गया एवं आरोपीगणओ से पुछतांछ दौरान एक नग और बंदूक भरमार जिससे गोली चलाया गया था जिसे अन्य जगह छिपाया गया था जिसे जप्त किया गया है। उपरोक्त आरोपीगणो को दिनांक 07/03/2025 को विधिवत गिरफ्तारी की सूचना आरोपीगणो के परिजनो को दिया जाकर गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया । उपरोक्त कार्यवाही में निरी. बीरेन्द्र कुमार बरकरे थाना प्रभारी करनपठार उप निरी. मंगला प्रसाद दुबे चौकी प्रभारी सरई, प्रआर. 61 फूल सिंह श्याम, प्रआर. 74 राम प्रसाद मरावी, प्रआर. 79 कमल सिंह मसराम, आर. 346 साहब लाल सौर, आर. 376 अनुराग आर. 243 नीरज गुप्ता चौकी सरई एवं सायबर सेल प्रआर. पंकज मिश्रा तथा थाना करनपठार के आर. 287 विनोद कुमार सिंह का सराहनीय भूमिका है।

जमुना-कोतमा में डॉ. भीमराव अंबेडकर सामुदायिक भवन की हालत खस्ता

सुविधाओं के अभाव पर श्रीकांत शुक्ला ने उठाई आवाज

बदरा/जमुना। जमुना कोतमा क्षेत्र में स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर सामुदायिक भवन की बदहाल स्थिति को लेकर क्षेत्र में चिंता का माहौल बना हुआ है। कोयला मजदूर सभा जमुना-कोतमा क्षेत्र के अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने भवन की जर्जर होती स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सामुदायिक भवन क्षेत्र के कर्मचारियों, मजदूरों और आम नागरिकों के लिए सामाजिक कार्यक्रमों का प्रमुख केंद्र है, लेकिन वर्तमान में यहां मूलभूत सुविधाओं का गंभीर अभाव है। श्रीकांत शुक्ला ने बताया कि इस भवन का उपयोग विवाह, सामाजिक कार्यक्रम, बैठकें और अन्य सामुदायिक आयोजनों के लिए लंबे समय से किया जाता रहा है। बावजूद इसके भवन के रखरखाव और सुविधाओं पर प्रबंधन द्वारा पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भवन में न तो लोगों के ठहरने की समुचित व्यवस्था है और न ही स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध है, जिससे कार्यक्रम आयोजित करने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि भवन परिसर में साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब है और कई स्थानों पर मरम्मत की आवश्यकता है। भवन के कमरे, शौचालय और अन्य व्यवस्थाएं भी जर्जर स्थिति में हैं, जिसके कारण यहां कार्यक्रम आयोजित करना कठिन होता जा रहा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यह भवन कभी क्षेत्र की सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र हुआ करता था, लेकिन अब इसकी स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। कोयला मजदूर सभा के अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने प्रबंधन से मांग की है कि डॉ. भीमराव अंबेडकर सामुदायिक भवन की स्थिति पर तत्काल संज्ञान लिया जाए और भवन की मरम्मत, नियमित साफ-सफाई तथा स्वच्छ पेयजल सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था जल्द से जल्द सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते आवश्यक सुधार नहीं किए गए तो भवन का उपयोग करना और भी कठिन हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह भवन केवल एक इमारत नहीं बल्कि क्षेत्र के कर्मचारियों और नागरिकों के सामाजिक जीवन से जुड़ा एक महत्वपूर्ण केंद्र है। इसलिए इसकी देखरेख और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। क्षेत्र के नागरिकों ने भी प्रशासन और प्रबंधन से मांग की है कि जल्द से जल्द आवश्यक कार्य कराकर इस सामुदायिक भवन को सुचारू रूप से संचालित किया जाए, ताकि क्षेत्र के लोग बिना किसी परेशानी के इसका उपयोग कर सकें।

कोतमा पुलिस ने खाते खुलवाने और लाखों रुपए के लेनदेन करने वाले बड़े गिरोह का किया भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज कोतमा। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में कोतमा पुलिस ने खाते खुलवाने और लाखों रुपए के लेनदेन करने वालों बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मामले के तार छत्तीसगढ़ से जुड़े होने पर टीम ने शातिर सटोरिया एवं जालसाज मो फजल 29 वर्षीय को पेंड्रा से गिरफ्तार किया है। पुलिस की टीम लगातार एमपी एवं छत्तीसगढ़ में दबिश देकर धरपकड़ जारी किए हैं।

युवा बेरोजगारों को बनाते थे शिकार

पुलिस की जांच में सामने आया कि संगठित गैंग द्वारा सुनियोजित गिरोह बनाकर आरोपियों द्वारा युवाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का झांसा देकर धोखाधड़ी पूर्वक बैंक ले जाकर खाता खुलवाया जाता था। पूरे मामले का मास्टर माइंड बादल कोतमा को बताया जा रहा है जो कि पिछले कई महीनों से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं से संपर्क बढ़ाते हुए उन्हें अलग अलग बैंकों में ले जाकर खाता खोला जाता था। पासबुक,

एटीएम, सिम सहित पूरी किट अपने पास रखते हुए प्रत्येक खातों में लाखों रुपए ट्रांसफर कराया जाता था। पुलिस जांच के दौरान ऑन लाइन सट्टेबाजी में हारे गए रूपये का भुगतान होना पाया गया।

बादल पर दर्ज है कई प्रकरण

थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल ने बताया कि मुख्य आरोपी बादल के खिलाफ थाना में कई अपराध पूर्व में भी पंजीबद्ध है। जिसमें कट्टा से हवाई फायर करते हुए गुंडागर्दी, सट्टा एवं मारपीट सहित अन्य अपराध पंजीबद्ध है। आरोपी को अभिरक्षा में लेकर अनूपपुर के अलावा छत्तीसगढ़ राज्य के पेंड्रा एवं मनेंद्रगढ़ में भी दबिश देते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। अभी भी कई आरोपी की तलाश जारी है।

खोले जा चुके हैं सैकड़ों खाते

गिरफ्तार जालसाजों ने पूंछताछ में चौंकाने वाले खुलासे किए है। कोतमा नगर के विभिन्न वार्डो के अलावा, बदरा, पाड़ौर, निगवानी, रेउला सहित अन्य अलग अलग जगहों से सैकड़ों युवाओं के खातों का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपए ट्रांजेक्शन किया जा चुका है।

अब तक हुई गिरफ्तारी

पुलिस के द्वारा अब तक 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जिसमें सरगना बादल सहित 5 आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर 318 (4) में जेल भेजा जा चुका। छत्तीसगढ़ से भी तार जुड़े होने पर मो फजल 29 वर्ष निवासी बजरंग नगर पेंड्रा को भी गिरफ्तार किया है। कब्जे से एटीएम कार्ड, मोबाइल सहित अन्य सामग्री जप्त की गई है। आरोपी को न्यायालय में पेशकर जेल भेजा गया। अभी भी कई फरार लोगों की तलाश जारी है। जिनमें सफेदपोश नामों के आने की सुगबुगाहट बताई जा रही है।

इनका कहना

रिमांड मे लेकर पूंछताछ के दौरान आरोपी फजल को छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार किया गया है। फरार बदमाशों की तलाश जारी है।

रत्नांबर शुक्ल
थाना प्रभारी कोतमा

खबर संक्षेप

सोनाली ने सीएस परीक्षा की उत्तीर्ण

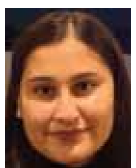

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है अपनी मेहनत और परिश्रम से मेधावी छात्र अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं।ऐसा ही एक उदाहरण समीपी प्रतिष्ठित काचरकोना ग्राम से सामने आया है यहां के पूर्व सरपंच सुनील खेरोनिया की सुपुत्री सोनाली ने सी एस की परीक्षा प्रथम फेस में उत्तीर्ण कर परिवार एवं क्षेत्र का नाम गोरवान्वित किया है। शुभचिंतकों ने सोनाली के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र गाडरवारा निवासी युवक द्वारा पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग रखी। पीड़ति ऋषि पाठक निवासी महाराना प्रताप वार्ड, गाडरवारा द्वारा दिए आवेदन मे बताया गया है कि वह मुहबोली बहन ऋचा प्रियदर्शनी के घर आई.टी.आई कॉलोनी खाना खाने गया था। जहां आकर ऋतु पटैल, निवासी प्रतिभा कालोनी ने मेरे साथ मारपीट तथा गाली-गलोच की साथ ही ऋचा दीदी और उनके कर्मचारीयों की उपस्थिति में, उनका बैठक में रखा सामान भी फेंककर तोड़ दिया मैं इस की शिकायत करने पुरंत थाने पहुंचा जहां मेरी कोई सुनवाई नहीं हुई तथा महिला होने के कारण मेरे पहुंचने के काफी देर बाद 112 पुलिस सेवा वाहन से थाने पहुंची ऋतु पटेल की शिकायत बिना प्रत्यक्षदर्शीयों के बयान लिये सुन ली गयी और मुझ पर निराधार धारा 74/7/.115 के अंतर्गत मामला दर्ज कर दिया गया। यह महिला उग्र स्वभाव की है पहले भी कई जगह मारपीट लड़ाई झगड़ा कर चुकी है, पूर्व भी विवाद के कई मामले है। पीड़ति ने शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

दिनदहाड़े साइकिल चुरा ले गया चोर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली अंतर्गत गोकुल नगर क्षेत्र में एक बार फिर चोरी की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार गली फेस-3, गली नंबर 3 गोकुल नगर निवासी एक बच्चे की साइकिल अज्ञात युवक द्वारा चोरी कर ली गई, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि 7 मार्च दोपहर करीब 3:15 बजे एक युवक, जिसने स्पोर्ट्स की हाफ टी-शर्ट पहन रखी थी, गली में आया और मौके का फायदा उठाकर बच्चे की साइकिल लेकर फरार हो गया। घटना आसपास लगे सीसीटव्ही कैमरों में कैद हो गई है, जिससे युवक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।<स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से क्षेत्र में चिंता का माहौल है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द आरोपी की पहचान कर कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में हो रही छोटी-बड़ी चोरियों पर रोक लग सके।

आज रंग पंचमी के अवसर पर आंशिक शुष्क दिवस घोषित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सम्पूर्ण जिले मे आज रंगपंचमी मनाई जावेगी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने 8 मार्च 2026 को रंग पंचमी पर रंगो की बौछार होगी। रंगपंचमी को देखते हुए कलेक्टर द्वारा शाम 5 बजे तक की अवधि तक के लिए आंशिक शुष्क दिवस घोषित करने का आदेश जारी किया है। यह आदेश मप्र राजपत्र (असाधारण) की कंडिका शुष्क दिवस में विहित प्रावधान के अनुसार प्रशासकीय तथा लोक हित में एवं मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के अधीन जारी किया है। जारी आदेश के मुताबिक यह सुनिश्चित किया जावे कि 8 मार्च 2026 को रंग पंचमी के अवसर जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानें वाईन शाप रेस्तरां बार (एफ.एल.-2) एवं मद्य भांडागार नरसिंहपुर व गाडरवारा सायं 5 बजे तक की अवधि में पूर्णतया बंद रखी जाएं। मदिरा के व्यक्तिगत भंडारण पर तथा गैर लायसेंस प्राप्त परिसर में मंदिरा के भंडारण पर सख्ती से रोक लगाई जाए। किसी भी अधिकृत अनाधिकृत स्थान से मदिरा का क्रय-विक्रय और अवैध परिवहन न होने पाए।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस विशेष

खेल, सिविल सेवा, समाज सेवा में भी अग्रणी

महिलाओं ने रचा कीर्तिमान, किया गौरवान्वित

जिले में उत्कृष्ट शिक्षा के चलते छात्राओं व महिलाओं ने अपना कीर्तिमान रचकर जिले को गौरवान्वित किया है। आज जिले की महिलाएं हर वर्ग में अपनी भूमिका निभा रही है। वही जिले की बालिकाओं ने नेशनल, स्टेट और स्कूल स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाया है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले की बेटियों ने खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर जिले का मान बढ़ाया है।

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर।

जिला वॉलीबॉल संघ, खेल विभाग और शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में जिले की बालिकाओं ने राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर तक पहुंचकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

खेल मे किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जिले की प्रतिभाशाली खिलाड़ी मानसी कुशवाहा,इच्छा मेहरा और वीनू ठाकुर ने सीनियर नेशनल हेतु प्रदेश टीम में चयनित होकर जिले का गौरव बढ़ाया है, जबकि आयुषी ठाकुर ने स्कूल सीनियर नेशनल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। इसी क्रम में वैष्णवी नेमा, निधि पटवा और खुशी जाट यूथ नेशनल प्रतियोगिता में भाग लेंगी। वहीं आराध्या विश्वकर्मा ने सब जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया।

अन्तर्विश्वविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में निहारिका गिरी, कनुप्रिया तिवारी(बरमान), वैष्णवी नेमा और ईशु विश्वकर्मा ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। गोटेगांव की साध्वी पगारे ने जूनियर स्टेट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश टीम में स्थान बनाया। सब जूनियर स्टेट प्रतियोगिता में सोनिया मेहरा, इरम कुरैशी, शिवानी मेहरा, टीना कहार, सपना चैधरी, प्रतिज्ञा छिपा, श्रद्धा कहार, शुभ्रा लोधी, महिमा सोनी तथा बरमान से कल्याणी नोरिया और काजल मांझी ने शानदार प्रदर्शन किया।

इसी प्रकार स्टेट सब जूनियर प्रतियोगिता में नरसिंहपुर की अनन्या राव, अमीषा शर्मा, गोटेगांव की अदिति पाराशर, लेखा परसवार, गाडरवारा की पावनी कहार और मोहिनी कहार ने जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया।

तीन छात्राओं का यूपीएससी मे चयन

विगत दिवस भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा में जिले की तीन छात्रों ने सफलता हासिल कर जिले का मान बढ़ाया जिसमें डॉ. दीक्षा पाटकार ने यूपीएससी में 88वीं रैंक हासिल की। डॉ दीक्षा पाटकार मूलतः जिले की करकबेल निवासी है। एमबीबीएस और दिल्ली एम्स से एमडी करने के बाद की यूपीएससी तैयारी दूसरे प्रयास में सफलता, गांव करकबेल से दिल्ली तक की मेहनत रंग लाई। दीक्षा किराना व्यवसायी हेमराज पाटकार और अर्चना पाटकार की छोटी बेटी हैं। फोन पर बातचीत में डॉ. दीक्षा पाटकार ने कहा कि किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए परिश्रम और समर्पण के साथ तैयारी करना जरूरी है। इसी प्रकार नरसिंहपुर के नरसिंह वार्ड की प्राची जैन ने यूपीएससी परीक्षा में 714 वीं रैंक प्राप्त की है। आप प्रमोद जैन एवं बबीता जैन की पुत्री हैं। कलेक्टर रजनी सिंह ने इन दोनों बेटियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। जिले के तेंदूखेड़ा में बतौर एसडीएम कार्यरत पूजा सोनी ने भी यूपीएससी परीक्षा में 249वीं रैंक हासिल की है।

32 खिलाड़ी स्टेट प्रतियोगिता में चयनित

स्कूल स्टेट सीनियर प्रतियोगिता में आयुषी ठाकुर, ऋचा राजपूत, सपना चैधरी, मानसी लोधी और अंशिका कुर्मी ने अपनी प्रतिभा दिखाई एवं स्कूल जूनियर स्टेट प्रतियोगिता हेतु सोनिया साहू ने सम्भाग टीम में स्थान बनाया। वहीं आराध्या विश्वकर्मा और आस्था बाल्मीकि ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। सीनियर स्टेट प्रतियोगिता में पारुल नेमा, ईशु विश्वकर्मा, कनुप्रिया तिवारी, कल्याणी नोरिया, अनुष्का यादव और शना शाह ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए जिले का गौरव बढ़ाया है। 9 बेटियों ने मध्यप्रदेश दल में स्थान बनाया, 6बेटियों ने विश्वविद्यालय टीम में और 32 खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु संभाग और जोन दल में चयनित हुई। जिला वॉलीबाल संघ अध्यक्ष संरक्षक पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि प्रतियोगिताओं में पहुंचकर बालिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करने से बेटियों में खेलों के प्रति आत्मविश्वास और भागीदारी लगातार बढ़ रही है ।जिससे जिले की बेटियां खेलों में नए आयाम स्थापित कर रही हैं। महिला दिवस के अवसर पर इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की उपलब्धियां जिले के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

गत दिवस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी एवं जिला चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में कार्यरत महिलाओं के सम्मान में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यों एवं स्वास्थ्य सेवा में सक्रिय महिलाओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अनंत दुबे चेयरमेन, रेडक्रॉस रहे। इस अवसर पर प्रमेश शंकर शर्मा वाइस चेयरमेन, सुनील कोठारी प्रदेश प्रतिनिधि, श्रीमती सुनंदा भट्ट उपाध्यक्ष तथा डॉ. देवेंद्र रिपुदमन प्रभारी सिविल सर्जन विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने स्वास्थ्य जांच करवाई और चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर में डॉक्टरों की टीम द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, शुगर परीक्षण सहित अन्य आवश्यक चिकित्सीय सेवाएं प्रदान की गईं। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने महिलाओं की भूमिका और समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रही हैं और समाज के विकास में उनका योगदान अतुलनीय है। इस कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय से डॉ. नम्रता शुक्ला, डॉ. मंजरी सिंह, डॉ. शालिनी धुर्वे, डॉ. राहुल नेमा, श्रीमति अंजना रैकवार, शुचि श्रीवास्तव उपस्थित रहे। रेडक्रॉस सोसायटी नरसिंहपुर की ओर से श्रीमति निशा सोनी, श्रीमति सुमन शर्मा, श्रीमति संगीता दीक्षित, जारीना बानो, सुश्री लता अग्रवाल, सी.बी. चतुर्वेदी, शाकिर अली, रोहित मेहरा, चंदन चैधरी आदि उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनके कार्यों का सम्मान करना है। कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी, जिला चिकित्सालय के अधिकारी, चिकित्सक एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

कलेक्टर ने किया चिया सीड की खेती का अवलोकन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने चांवरपाठा विकासखंड के ग्राम मनकवारा में किसानों द्वारा की जा रही सुपरफूड चिया सीड की खेती का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान कृषक मोतीलाल प्रजापति द्वारा लगभग दो एकड़ और धनराज सिंह पटेल द्वारा लगभग चार एकड़ क्षेत्र में की जा रही चिया सीड की फसल का अवलोकन कर खेती की पद्धति और उत्पादन संबंधी जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने किसानों से संवाद करते हुए चिया सीड की खेती के लाभ, लागत, उत्पादन और बाजार में इसकी मांग के बारे में विस्तार से जानकारी ली। किसानों ने बताया कि इस फसल की विशेषता यह है कि इसे पशु नहीं खाते और इसमें रासायनिक खाद या कीटनाशक के छिड़काव की आवश्यकता भी नहीं होती। साथ ही यह फसल कम पानी में भी अच्छी उपज देती है, जिससे इसकी खेती अपेक्षाकृत कम लागत में संभव है। किसानों ने बताया कि बाजार में चिया सीड की मांग अधिक होने के कारण इस फसल से अच्छा मुनाफा प्राप्त होने की संभावना रहती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने चिया सीड की खेती प्रारंभ की है। यह खेती कृषि विभाग के उप संचालक मोरिस नाथ के समन्वय एवं मार्गदर्शन में की जा रही है। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नई और लाभकारी फसलों को अपनाकर किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने अन्य किसानों से भी ऐसी नवाचार आधारित खेती अपनाने का आह्वान किया, ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सके।

लाइनमैन दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

शनिवार को मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड नरसिंहपुर व्रत अंतर्गत नरसिंहपुर संचा संधा संभाग के झिरना परिसर में लाइनमैन दिवस मनाया गया। प्रदेश सरकार के ऊर्जा विभाग ओर केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के आदेश अनुसार लाईनमैन दिवस का आयोजन किया गया। नरसिंहपुर व्रत अंतर्गत भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले लगभग 50 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही उनके भोजन व्यवस्था का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधीक्षण अभियंता नीलाभ श्रीवास्तव और कार्यपालन अभियंता विवेक जशेले, प्रवर्तन दल के कार्यपालन अभियंता राहुल पटेल, कार्यपालन अभियंता प्रसून शर्मा और सभी सहायक अभियंता ओर कनिष्ठ अभियंता ओर सभी वितरण केन्द्र के समस्त कर्मचारी कार्यक्रम में उपस्थित हुए। मंच संचालन सहायक अभियंता संदीप रघुवंशी ने किया ओर दीपक रघुवंशी ने विद्युत सुरक्षा का उपाय बताए। अधीक्षण अभियंता नीलाभ श्रीवास्तव ने प्रबंधक संचालक के संदेश का वाचन किया और कार्यपालन अभियंता विवेक जशेले के द्वारा सुरक्षा संबंधी शपथ दिलाई गई। कार्यपालन अभियंता विवेक जशेले ने बताया कि लाइनमैन दिवस शासन के दिए निर्देशानुसार लगातार 6 वे संस्करण मनाया गया साथ ही बताया गया कि आगामी भविष्य में भी जब जब प्रदेश शासन ऊर्जा विभाग के निर्देश प्राप्त होंगे इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

नई टंकियां बन रहीं, बैराज का हुआ टेण्डर सोन प्रोजेक्ट से पेयजल की होगी शेष आपूर्ति

शहडोल।

संभाग मुख्यालय शहडोल नगर में पेयजल की समुचित और सुदृढ़ व्यवस्था के लिए नगरपालिका निरंतर प्रयासरत है। माना जाता है कि इससे आगामी पचास वर्षों तक की पेयजल आवश्यकता की पूर्ति होगी। वार्डों की संख्या बढने और बस्तियों का विस्तार होने के साथ ही नगर में पानी की आवश्यकता बढ़ती जा रही थी। पूर्व में सात पुरानी पानी टंकियों के बाद नई पाच टंकियां बनवाई गईं थीं अब पुनः और भी नई 5 टंकियां बनवाई जा रहीं हैं साथ ही नगर में लगभग 80 किमी पाइप लाइनों का विस्तार किया जाएगा। इसके अलावा पानी के भराव के लिए 27 करोड़ के लागत का सोन प्रोजेक्ट क्रियान्वित किया जा रहा है।

यहां बन रहीं टंकियां

बताया गया कि नई पानी टंकियों का निर्माण भुइबांध, घरौला, शहंशाह देवतरा तालाब, पुरानी बस्ती और हॉस्पिटल परिसर मे हो रहा है। इन टंकियों की क्षमता 3 लाख लीटर से लेकर 6 लाख लीटर तक अलग अलग है। इनसे सप्लाई शुरू होते ही नगर में भरपूर जलापूर्ति होने लगेगी।

पाइप लाइनों का विस्तार

नगर में पेयजल की समुचित आपूर्ति के लिए नगरपलिका द्वारा लगभग 80 किमी नई पाइप लाइने बिछाई जाएंगी। नगर में कई ऐसे स्थान हैं जहां आज भी नलों की सुविधा नहीं है। कारण यही है कि वहां पाइप लाइनों का विस्तार ही नहीं हो सका था। ज्ञातव्य है कि यही कार्य मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना की राशि से भी की जानी थी लेकिन तब शहर के कई हिस्से छूट गए थे।

शांतिपूर्ण संपन्न हो गई बोर्ड परीक्षायें

तेंदूखेड़ा

शैक्षणिक सत्र 2025 26 लगभग समाप्ति की ओर है। बोर्ड परीक्षायें समाप्त हो गई है अब कक्षा नवमी ग्यारहवीं के साथ एक से तीन और छटवी सातवीं की भी परीक्षाओं का संचालन जारी है।मार्च माह के मध्य तक समाप्त हो जाएगी। हमारे प्रतिनिधि को जानकारी देते हुए बताया कि आगामी अप्रैल में बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम भी शीघ्र ही घोषित हो जाएंगे। परीक्षा के मध्य से ही उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में काफियों का मूल्यांकन कार्य भी युद्ध स्तर पर प्रारंभ हो गया है। शीघ्र ही मूल्यांकन कार्य पूर्ण होते ही व्यावसायिक मंडल की आईडी पर परिणाम भी घोषित हो जाएंगे। ज्ञात हो कि आगामी 1 अप्रैल से नए शैक्षणिक सत्र 2026 -27 सत्र प्रारंभ होने जा रहा है। जिसकी तैयारियां भी सभी संस्थाओं द्वारा प्रारंभ हो चुकी है। सभी शासकीय स्कूलों में कक्षा 1 से लेकर कक्षा 8 तक की सभी पाठ्य पुस्तक बी आर सी चांवरपाठा के द्वारा सभी प्रधान पाठकों को प्रदान की जा रही है। शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न होने पर शाला परिवार केंद्र अध्यक्ष व सहायक केंद्र अध्यक्षों का आभार व्यक्त किया गया।

बोर्ड परीक्षा दे चुके छात्रों को उचित मार्गदर्शन की जरूरत

तेंदूखेड़ा।

हाल ही में हायर सेकंडरी और हाईस्कूल के परीक्षायें लगभग शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई है।हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को आगे हायर सेकंडरी स्कूल में दाखिला लेने से पहले उनकी रुचि और योग्यता के अनुसार कौन सा विषय उपयुक्त रहेगा और जो छात्र हायर सेकंडरी स्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं उन्हें बाहर जाकर किस विषय से कोचिंग या मार्गदर्शन लेकर आगे क्या करना चाहिए ।इस विषय को लेकर उचित मार्गदर्शन की दिशा में तेंदूखेड़ा में एक बड़ा बहुत अभाव बना हुआ है। चूंकि पढ़ें लिखे परिवारों के छात्र तो उनके पाल्यों से मार्गदर्शन या उनके सोर्सों का लाभ लेकर बाहर चले जाते हैं। लेकिन निर्धन परिवारों के छात्र जो कि बाहर भेजने में सक्षम नहीं है वह स्थानीय कालेजों में ही दाखिला लेकर भटक जातें हैं।या फिर कहीं भी प्राइवेट क्षेत्र में काम में लग जातें हैं।ऐसी स्थिति में तेंदूखेड़ा तहसील मुख्यालय पर एक तहसील स्तरीय केरियर मार्गदर्शन की नितांत आवश्यकता है।जिला स्तर या अन्य स्थानों पर तो यह व्यवस्था मिल जाती है लेकिन तेंदूखेड़ा क्षेत्र में इस विषय का अभाव शुरू से ही बना हुआ है। तेंदूखेड़ा क्षेत्र से बहुत से छात्र छात्राएं है जो शासकीय स्कूलों या प्राइवेट स्कूलों से अच्छे अंक लेकर उत्तीर्ण हुआ करते हैं। लेकिन उन्हें उचित मार्गदर्शन की जरूरत है। शासन भी शिक्षा को लेकर तरह तरह की सुविधाएं मेधावी छात्रों को उपलब्ध करा रहा है। यहां तक कि बाहर जाकर पढ़ाई का खर्चा और छात्रवृत्ति भी प्रदान कर रहा है। लेकिन उचित मार्गदर्शन ना मिल पाने की दिशा में छात्र भटक जाते हैं। यदि इन छात्रों को मार्गदर्शन मिल जायेगा तो छात्र काफी आगे निकल सकते हैं। तेंदूखेड़ा क्षेत्र के सैकड़ों छात्र बाहर बड़े बड़े शहरों यहां तक कि विदेशों में विभिन्न सेवाओं में संलग्न बनें हुए हैं। इसके पीछे भी उचित मार्गदर्शन रहा है। क्योंकि हायर सेकंडरी के बाद उनकी शिक्षा बाहर के कालेजों कोचिंग सेंटरों से ही आज विभिन्न मुकामों में पहुंचाने में सहायक सिद्ध हुई है।इस दिशा में समाजसेवियों को भी आगे आने की जरूरत है जो बाहर से अनुभवी प्रशिक्षित शिक्षकों को बुलाकर किसी एक दिन अलग अलग कक्षाओं के शिविर लगाकर छात्रों को भविष्य गढ़ने में सहायक हो सकते हैं।जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को भी चाहिए कि इस दिशा में उचित पहल की जाये।